आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–26 फरवरी 2025 सान्ध्य समाचार

प्रयागराज के महाकुंभ नगर में पावन त्रिवेणी के तट पर पैंतालीस दिनों से चल रहे महाकुंभ के आखिरी स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा है। संगम में आस्था की डुबकी लगाने का सिलसिला आज तड़के से ही जारी है। अन्तिम स्नान पर्व पर देश और दुनिया के तमाम हिस्सों से श्रद्धालु महाकुंभ नगर पहुंचे हुए हैं। महाकुंभ में आज शाम चार बजे तक एक करोड़ बत्तीस लाख लोगों ने पवित्र स्नान कर लिया था। इसके साथ ही तेरह जनवरी से प्रारंभ महाकुंभ में आकर संगम में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पैंसठ करोड़ से अधिक हो चुकी है। आखिरी स्नान पर्व को लेकर प्रदेश सरकार ने साधु–संतों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और स्वागत के विशेष प्रबंध किये हैं। संगम तट पर और प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा करायी गयी। उधर, गोरखपुर दौरे पर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में बनाये गये कंट्रोल रूम से महाकुंभ की निगरानी की। प्रयागराज महाकुंभ को लेकर मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में कहा कि

महाकुंभ प्रयागराज में अपार भीड़ है। तेरह जनवरी से प्रारंभ हुआ महाकुंभ प्रयागराज आज पूर्णाहुति को प्राप्त करेगा। लगभग छांछठ करोड़ श्रद्धालुजन मॉ गंगा, मॉ यमुना और सरस्वती के इस त्रिवेणी में पावन डुबकी लगा करके राष्ट्रीय एकात्मकता का एक नया संदेश पूरे देशवासियों को दे रहे हैं।

विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रयागराज में आज संपन्न हो जायेगा।

****

प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष नवनीत सहगल ने कहा है कि आकाशवाणी ने सदैव लोगों को देश की संस्कृति से जोड़ने में प्रमुख भूमिका निभाई है। महाकुंभ के अंतिम दिन अपने संदेश में श्री सहगल ने कहा कि प्रसारण में आकाशवाणी के कुंभवाणी चैनल ने लोगों को बहुत प्रभावित किया।

इस विशेष चैनल कुंभवाणी ने 48 दिनों की एक छोटी सी यात्रा के दौरान बहुत लोगों को छुआ है। आम आदमी से लेकर हमारे जो वहां महात्मा–गण थे हमारे जो वहां अखाड़े आए हमारे यहां वहां जो संतजन आये हैं, उन सबसे आकाशवाणी जुड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति को जन–जन पहुंचने में आकाशवाणी की एक प्रमुख भूमिका रही है।

प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी ने भी महाकुंभ के दौरान आकाशवाणी के कुंभवाणी चैनल के प्रयासों की प्रशंसा की।

****

देवाधिदेव महादेव की आराधना का महापर्व महाशिवरात्रि आज पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। प्रदेश भर में सभी शिवालयों में आज तड़के से ही भगवान शंकर के दर्शन पूजन करने और जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी हुई हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर काशी विश्वनाथ धाम में कल से ही श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा है। महाशिवरात्रि पर वाराणसी के जिला और पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सहूलियत के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। कई अखाड़ों के महामंडलेश्वर और बड़ी संख्या में नागा साधु भी बाबा का जलाभिषेक करने काशी पहुंचे। एक रिपोर्ट–

महाशिवरात्रि के अवसर पर काशी विश्वनाथ धाम में भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए अधिक समय तक कपाट खोलने का फैसला लिया गया है। महाशिवरात्रि पर बड़ी संख्या में स्नानार्थी भी गंगा घाटों पर स्नान करने पहुंचे हैं। मंदिर प्रशासन तथा अधिकारियों द्वारा अखाड़ों तथा नागा साधुओं के काशी विश्वनाथ मन्दिर पहुँचने पर ढ़ोल–नगाड़े बजाकर पूरे हर्षोल्लास से पुष्प वर्षा करते हुए उनका स्वागत किया गया तथा श्रद्धालुओं के ऊपर हेलिकाप्टर से लगातार पुष्प वर्षा की जाती रही। मनीष सिंह आकाशवाणी समाचार वाराणसी।

उधर, महाशिवरात्रि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में रूद्राभिषेक करने के बाद महानगर के मानसरोवर मंदिर, मुक्तेश्वर मंदिर, झारखण्डी महादेव मंदिर और भरोहिया के पीतेश्वरनाथ मंदिर पहुंच कर भगवान शंकर का दर्शन–पूजन और जलाभिषेक किया।

महाशिवरात्रि के अवसर पर वाराणसी के मारकण्डेय महादेव मंदिर, अयोध्या के नागेश्वरनाथ मंदिर, संतकबीनरगर के तामेश्वरनाथ मंदिर, बस्ती के भदेश्वरनाथ, देवरिया जिले के रूद्रपुर में स्थित दुग्धेश्वरनाथ मंदिर, कुशीनगर के कुबेर स्थान शिव मंदिर समेत प्रदेश भर के शिवालयों में भगवान शंकर के दर्शन–पूजन और जलाभिषेक के लिये सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुयी है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान करीब दो सौ लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्यायें सुनीं। सबको समाधान के लिये आश्वस्त करते हुए मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

****